(छ) क्या यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि भारत की जलवायु तथा अन्य परिस्थितियों के कारण हमारी स्वदेशी नस्लों में रोग प्रतिरोधी क्षमता अधिक होती है और इसलिए ये विदेशी संकर नस्लों की अपेक्षा उपयोगी है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेताम) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न में उल्लिखित नस्लें अर्थात् आलमबादी, बिगापुरी, खटियाली, पुल्लिकुल्लम और बांगरको भारत सरकार/भा. कृ. अ. परिषद् के किसी भी प्रकाशन में नस्ल/प्रजातियों के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है।

(ग) शून्य ।

(घ) जी, हां । मान्यताप्राप्त स्वदेशी गोवंश नस्लों की विशेषताए सरकार/भा०कृ०अ०प० के प्रकाशनों में वर्णित हैं ।

(ङ) इनके विवरण नीचे उल्लिखित प्रकाशनों में उपलब्ध हैं :

1. भा. कृ. अ. प. (1945) भारत, भारतीय कृषि में पालतू बना ली गई विभिन्न नस्लों तथा किस्मों की नामावली ।

2. भा. कृ. अ. प. (1979) गोवंश तथा भैंस नस्लों की विशेषताए ।

3. भा. पशुचिकित्सा अ. प. 1984 भारत में पशुधन तथा कुक्कुट आनुवांशिक संसाधन, लेखक–आर. एम. आचार्य तथा पी. एम. भट्ट ।

4. राष्ट्रीय डेरी अनुसधान सस्थान (1981) भारत में पशु आनुवांशिक संसाधन –लेखक पी. एन. भट्ट ई.टी. ए. एल. ।

5. विस्तार निदेशालय, खाद्य तथा कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली के विस्तार कर्मियों के लिए पशुपालन नियम पुस्तिका––लेखक हरबंस सिंह ।

6. कुक्कुट सहित पशुधन, भारत की सम्पत्ति, भाग–6 प्रकाशन तथा सूचना निदेशालय, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली ।

(च) इन नस्लों के संरक्षण की दिशा में सरकार ने निम्नलिखित उपायों के निर्देश दिए हैं :

1. गोपशु तथा भैंस फार्मों की स्थापना ।

2. चुनिंदा प्रजनन सहित सबंधित प्रजनन क्षेत्रों में हिमित वीर्य के उत्पादन और वितरण के लिए शुद्ध स्वदेशी प्रजनन सांडों का रखरखाव और वीर्य प्रशीतन और कृत्रिम गर्भाधान के लिए उप-संरचना की स्थापना पर बल देते हुए स्वदेशी नस्लों के लिए प्रजनक नीति का प्रतिपादन करना ।

3. आठवी योजना के दौरान स्वदेशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए "राष्ट्रीय सांड उत्पादन कार्यक्रम" नामक एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना विचाराधीन है । नस्लवार पशुधन की संगणना करने का प्रस्ताव विचाराधीन है ।

(छ) आम तौर पर, स्वदेशी पशुधन की नस्लें भारतीय जलवायु की परिस्थितियों में बेहतर रूप से अपनाई जाती है ।

उर्वरकों के उपयोग में कमी

7150. **श्रीमती सुषमा स्वराज** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में पिछले कुछ वर्षों से उर्वरकों के उपयोग में निरन्तर कमी हुई है ;

(ख) यदि हां, तो 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के वर्षों के दौरान विभिन्न उर्वरकों की कितनी मात्रा का उपयोग किया गया ;

(ग) क्या देश में उर्वरकों के उपयोग के लिए इसकी मांग को स्वदेशी उत्पादन द्वारा ही पूरा कर लिया गया था ;

(घ) यदि नहीं, तो उपर्युक्त वर्षों के दौरान देश में प्रत्येक उर्वरक का कितनी मात्रा में उत्पादन हुआ तथा कितनी मात्रा में प्रत्येक उर्वरक का आयात किया गया ;

(ङ) क्या सरकार द्वारा इन वर्षों के दौरान देश मे उर्वरकों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए गए हैं; और

(च) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) और (ख) वर्ष 1991–92, 1992–93 और 1993-94 के दौरान प्रयोग किये गये विभिन्न उवरकों की मात्रा निम्न सारणी में दी गई है ।

(लाखटन)

पोषक तत्व	1991–92	1992–93 (प्राक्कलन)	1993–94 (सम्भावित)
मन . . .	80.46	84.26	89.86
पी	33.21	28.43	28.84
के	13.61	8.84	9.63
कुल	127.28	121.53	128.33

(ग) और (घ) चूकि देश में पोटाश के ज्ञात और उपयोग किए जाने योग्य भंडार नहीं हैं, इसलिए पोटाश की समग्र आवश्यकताएं केवल आयात के द्वारा ही पूरी की जाती है । निम्न सारणी में 1991–92, और 1992–93 और 1993–94 के वर्षों के दौरान देश में उर्वरक पोषक तत्वों का उत्पादन और आयात दर्शाया गया है :–

(लाख मीटरी टन में)

पोषक तत्व	1991–92		1992–93		1993–94	
	उत्पादन	आयात	उत्पादन	आयात	उत्पादन	आयात*
एन	73.01	5.66	74 30	11.37	72.31	13.06
पी	25.62	9.67	23.06	6.89	18.16	—
के	—	12.36	—	10.82	—	3.77

*केवल सरकार की ओर से

(ङ) और (च) सरकार ने उर्वरकों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये हैं :–

(1) नये उर्वरक संयंत्रों और पुराने संयंत्रों के पुनरूद्धार के लिए पूंजीगत वस्तुओं के आयात पर सीमा शुल्क 23–9–1992 से समाप्त कर दिया गया है।

(2) फास्फेटिक उर्वरकों/कच्चे माल और पोटाश के लिए रेलवे भाड़ा 4–9–92 से कम कर दिया गया है ।

(3) फास्फेटिक एसिड के आयात पर 27–8–92 से सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया है जो फास्फेटिक उर्वरकों के उत्पादन के लिए कच्चा माल है।

(4) उन उर्वरक संयंत्रों/पुनरूद्धार परियोजनाओं के लिए आयात किये गये संयंत्र और उपकरणों पर सीमा शुल्क की वापसी के लिए एक योजना घोषित की गई है जो 1–1–1991 को अथवा इसके पश्चात् चालू किए

गए और इन परियोजनाओं के लिये गये आवधिक ऋणों पर ब्याज की दर में 3 प्रतिशत की छूट दी गई है लेकिन इस पर यह शर्त है कि अन्ततः ब्याज दर 12 प्रतिशत या इससे अधिक रहे ।

(5) फरवरी 1993 में स्वदेशी राक फास्फेट और लौह-फाइराइटस के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आयात प्रतिस्थापन प्रोत्साहन देने संबंधी योजना की घोषणा की गई है ।

(6) इस समय निजी क्षेत्र में दो नये अमोनिया-यूरिया संयंत्र एक बबराला (उ. प्र.) में और एक शाहजहांपुर (उ. प्र.) में कार्यान्वित किए जा रहे हैं ।

(7) राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड (एन.एफ. एल.) और भारतीय कृषक उर्वरक सहकारी समिति लिमिटेड (इफको) में क्रमशः बिजयपुर (म. प्र.) और आंबला (उ.प्र.) में गैस आधारित संयंत्रों की क्षमता को दुगना करने के लिए परियाजनाएं शुरू की हैं ।

(8) 1993–94 के दौरान डी.ए.पी. योगों और एस.एस.पी. के संबंध में विनियंत्रित उर्वरकों की बिक्री पर छूट स्वदेशी उत्पादन तक सीमित रखी गई थी ।

CBI Inquiry into Malpractices of DMS Tenders

7151. SHRI RAJNI RANJAN SAHU:
SHRI SUSHILKUMAR SAMBHAJIRAO SHINDE:
SHRIMATI VEENA VERMA: ..

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that CBI is inquiring into the alleged malpractices in the granting of Milk Tenders in Delhi Milk Scheme during 1992, 1993 and 1994 so far;

(b) in how many cases reports have been presented by CBI indicating the status of each case; and

(c) how long it will take to finalise the inquiry?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) to (c) As per the information furnished by the Central Bureau of Investigation they are veryfying the complaint relating to the alleged malpractices in the award on contracts for supply of milk to Delhi Milk Scheme for the year 1993 only and that the matter is still under their verification.

कृषि के विकास के लिए आबंटन-राशि में कमी

7152. **श्री राम जेठमलानी**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कृषि-विकास के लिए वार्षिक आबंटन राशि में पिछले कुछ वर्षों से निरन्तर कमी होती जा रही है ;

(ख) यदि नहीं, तो 1991–1992, 1992–93 और 1993–94 के वर्षों के दौरान इस प्रयोजनार्थ क्रमशः कितनी-कितनी धनराशि आबंटित की गई थी ; और

(ग) यह धनराशि देश में इन वर्षों में सरकार द्वारा किए गए कुल वार्षिक व्यय की राशि का वर्ष वार कितना-कितना प्रतिशत थी ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (ग) योजना आयोग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार 1991–92, 1992–93 और 1993 94 के दौरान देश में कृषि और उससे